बिहार लोक सेवा आयोग

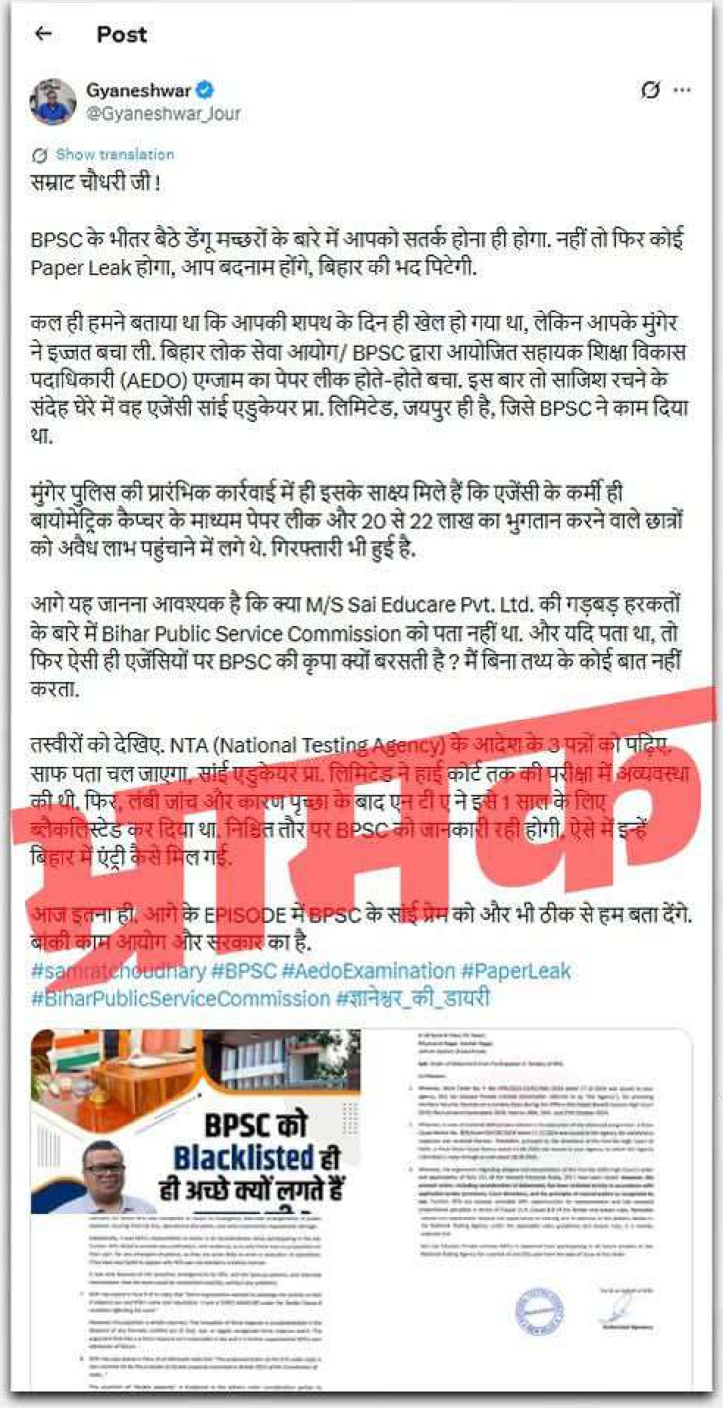

Gyaneshwar
@Gyaneshwar_Jour

सम्राट चौधरी जी !

BPSC के भीतर बैठे डेंगू मच्छरों के बारे में आपको सतर्क होना ही होगा. नहीं तो फिर कोई Paper Leak होगा, आप बदनाम होंगे, बिहार की भद पिटेगी.

कल ही हमने बताया था कि आपकी शपथ के दिन ही खेल हो गया था, लेकिन आपके मुंगेर ने इज्जत बचा ली. बिहार लोक सेवा आयोग/ BPSC द्वारा आयोजित सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (AEDO) एग्जाम का पेपर लीक होते-होते बचा. इस बार तो साजिश रचने के संदेह घेरे में वह एजेंसी सांई एडुकेयर प्रा. लिमिटेड, जयपुर ही है, जिसे BPSC ने काम दिया था.

मुंगेर पुलिस की प्रारंभिक कार्रवाई में ही इसके साक्ष्य मिले हैं कि एजेंसी के कर्मी ही बायोमेट्रिक कैप्चर के माध्यम पेपर लीक और 20 से 22 लाख का भुगतान करने वाले छात्रों को अवैध लाभ पहुंचाने में लगे थे. गिरफ्तारी भी हुई है.

आगे यह जानना आवश्यक है कि क्या M/S Sai Educare Pvt. Ltd. की गड़बड़ हरकतों के बारे में Bihar Public Service Commission को पता नहीं था. और यदि पता था, तो फिर ऐसी ही एजेंसियों पर BPSC की कृपा क्यों बरसती है ? मैं बिना तथ्य के कोई बात नहीं करता.

तस्वीरों को देखिए. NTA (National Testing Agency) के आदेश के 3 पत्रों को पढ़िए. साफ पता चल जाएगा. सांई एडुकेयर प्रा. लिमिटेड ने हाई कोर्ट तक की परीक्षा में अव्यवस्था की थी. फिर, लंबी जांच और कारण पृच्छा के बाद एन टी ए ने इसे 1 साल के लिए ब्लैकलिस्टेड कर दिया था. निश्चित तौर पर BPSC को जानकारी रही होगी. ऐसे में इन्हें बिहार में एंट्री कैसे मिल गई.

आज इतना ही. आगे के EPISODE में BPSC के सांई प्रेम को और भी ठीक से हम बता देंगे. बाकी काम आयोग और सरकार का है.
#samratchoudhary #BPSC #AedoExamination #PaperLeak
#BiharPublicServiceCommission #ज्ञानेश्वर_की_डायरी

उक्त पोस्ट पूरी तरह निराधार एवं भ्रांति फैलाने वाला है, जिसे तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर आमजन तथा अभ्यर्थियों को दिग्भ्रमित एवं आयोग की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किया गया है।

वास्तव में, Biometric Authentication कार्य कराने वाली Agency का Empanelment निहित निविदा प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यूनतम दर पर माह अगस्त, 2025 में किया गया था। X (Twitter) पर किए गए Post के साथ संलग्न NTA का पत्र दिनांक 25.10.2025 को निर्गत किया गया है। स्वाभाविक रूप से निविदा प्रक्रिया अंतिम होने के दो माह बाद निर्गत उक्त पत्र का निविदा प्रक्रिया पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता था।

इस पोस्ट के माध्यम से तथ्यात्मक रूप से गलत एवं दिग्भ्रमित करने वाले इस समाचार को भी प्रसारित करने का कुंठित प्रयास किया गया है कि मुंगेर जिला में दिनांक 13.04.2026 को सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की परीक्षा में प्रश्न-पत्र लीक होते-होते बच गया! वास्तव में मुंगेर पुलिस ने परीक्षा के एक दिन पूर्व ही 20 अभ्यर्थियों सहित कुल 22 अभियुक्तों को परीक्षा में गड़बड़ी करने का षड्यंत्र रचने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था और दिनांक 14.04.2026 को आयोजित परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वाली कोई घटना घटित ही नहीं हुई! प्रश्न-पत्र लीक होने का तो कोई प्रश्न ही नहीं है।

वास्तव में, विगत दो वर्षों में बिहार लोक सेवा आयोग ने अपनी परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार करते हुए इसे पूरी तरह सुदृढ़, सुरक्षित एवं अभेद्य बनाया है और पिछले दो वर्षों में करीब 60 परीक्षाओं का पूर्णतः कदाचारमुक्त, स्वच्छ एवं पारदर्शी रूप से आयोजन किया है। पेपर लीक होना अब एक दुःस्वप्न हो गया है। ऐसे में हताश असामाजिक तत्व परीक्षा में सेंधमारी की नाकामयाब कोशिशें करते रहे हैं और पकड़े जाते रहे हैं!

आयोग की परीक्षा व्यवस्था को भेदना असंभव है तथा ऐसी कोशिश करने वाले तत्वों का पकड़ा जाना निश्चित है। आमजन एवं अभ्यर्थी ऐसे तत्वों के निराधार, भ्रांतिपूर्ण, तथ्यहीन एवं मनगढ़ंत बातों पर ध्यान न दें।

@OfficialBPSC @BPSCOffice @bpsc_office